Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 50011245 Date: 11/04/2020 Validity : 1 Months Only

नाम: Abhishek Roy	जन्म तिथि: 25/12/1984	जन्म समय: 09:30 PM
जन्म स्थान: Allahabad (UP)	मांगलिक योग: No (Get) Cancelled	इष्ट देव: Guru Dev (Brahaspati Dev)

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Surya	50%	Shani	10%
2.	Guru	20%	Chandra	90%
3.	Budh	70%	Shukra	20%
4.	Mangal	30%		
5.	Rahu (d)	30%		
6.	Ketu (d) (उच्च)	30%		

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): बहुत अच्छा राजयोग : सूर्य, मंगल तथा गुरु की result देने में क्षमता कम है (बल कम है) → इनके रत्न अवश्य धारण करें।
3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग → (चन्द्र तथा शनि का दान व पाठ करना चाहिए)
4. शुभ दिन: → (Sunday, Tuesday, Wednesday, Thursday)
5. शुभ रंग: → (लाल, हरा, पीला, मोती)
6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. माणिक	6+	Right	Ring.	सोने, ब्रॉन्ज में रविवार के दिन 8:15 AM पर शुक्लपक्ष में/कृष्णपक्ष में धारण करें।
2. पुखराज	6+	Right	Index	सोने, ब्रॉन्ज में बृहस्पतिवार को 8:15AM पर शुक्लपक्ष में धारण करें।
3. मूँगा	9+	Left	Ring	सोने, ब्रॉन्ज में मंगलवार को 8:15 AM पर शुक्लपक्ष में धारण करें।

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

नीलम, नीली, मोती, ओपल, हीरा, जरकन आदि रत्न वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

e) मूंगा (मंगल देव) और पन्ना (बुध देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

f) पन्ना (बुध देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

g) पन्ना को सदैव चाँदी में ही पहना जाता है, सोने में धारण करने से बुध देव अपने फल नहीं देते हैं।

h) नीलम (शनि देव) और मोती (चंद्र देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

i) नीलम (शनि देव) को कभी भी चाँदी में नहीं पहना जाता है, अन्यथा शनि साढ़े साती एक साथ चलने लगती है। नीलम को सोने में या पंचधातु में ही धारण करना चाहिए।

j) नीलम (शनि देव) और माणिक (सूर्य देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है अन्यथा सत्यनाश कर देंगे रत्न।

k) माणिक (सूर्य देव) और हीरा (शुक्र देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

l) हीरा (शुक्र देव) और पुखराज (बृहस्पति देव) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

m) गोमेद (राहु) और मूँगा (मंगल) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

n) पुखराज (बृहस्पति देव) और नीलम (शनि देव) एक साथ धारण नहीं किया जाता है।

o) राहु देवता का रत्न गोमेद कभी भी धारण नहीं करना चाहिए।

p) चंद्र का रत्न (मोती) और राहु का रत्न (गोमेद) कभी भी एक साथ धारण नहीं किया जाता है। राहु चंद्र ग्रहण लगा देते हैं।

q) मंगल के रत्न मूंगा के साथ पन्ना / नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

r) बृहस्पति के रत्न "पुखराज" के साथ नीलम / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

s) चन्द्रमा के रत्न मोती के साथ नीलम / पन्ना / हीरा / ओपल नहीं पहना जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : शनिदेव: शनि देव का पाठ पूजन व दान सदैव रोगों से दूर रखेगा तथा Job growth के लिए भी लाभप्रद होगा।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

गुरु की महादशा : 30/11/2012 to 30/11/2028 : अच्छी दशा (20%)

बृहस्पति देव इस Period में सिर्फ 20% ही अच्छा परिणाम दे पायेंगे क्योंकि 80% Rays आपके शरीर पर नहीं पड़ती हैं। इसलिए पीले रंग के कपड़े अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। बृहस्पति का पुखराज अच्छी Quality का अवश्य धारण करें।

↳ Rapid Career growth होगी After wearing Yellow Sapphire.

↳ Uncertain gains बढ़ेंगे, धन लाभ में वृद्धि होगी, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी (if wear Yellow Sapphire).

→ upto 2028, काफी अच्छी growth होगी।

→ प्रथम बच्चा → पुत्र के योग हैं तथा घर में पुत्र अवश्य होगा।

→

गुरु / केतु / राहु : 28/03/20 to 13/05/2020 : अच्छी स्थिति (80%)

* लेकिन साथ में शनि की साढ़ेसाती भी चल रही है। 2½ साल complete हो गई है। 5 साल का समय और बाकी है।

शनिदेव का पाठपूजन व दान अवश्य करें (upto 5 yrs)
हर शनिवार को दान आगे Report से देखकर follow करें।
मंत्र जाप शाम को सूर्यास्त के बाद अवश्य करें।

साढ़ेसाती के कारण कुछ समस्याएं रहेंगी जैसे Job related, मानसिक तनाव, माता को परेशानी, कामकाज में disturbance, थोड़ा सा Negative thoughts भी परेशान करेंगे।

Scanned with CamScanner

→ उपाय बतान करने का समय :-

① # शनि देव का पाठपूजन व छोटा मोटा दान हर शनिवार को अवश्य करें upto 5 yrs. from 24/01/2020. till 23/01/2025.
उपाय ना करने से परेशानी होगी, कर्जा, शत्रु, मानसिक तनाव, work Problems, छोटे मोटे रोग आदि परेशान करेंगे।

② गुरु / शुक्र : 13/10/2020 to 13/06/2023 : बचाव (10%)
↳ Job के लिए period ठीक रहेगा लेकिन शुक्र के कारण Relt problems परेशान करेंगी इनका प्रभाव 10% होगा।
↳ शुक्र का ध्यान व पाठपूजन हर शुक्रवार को अवश्य करें upto 13/06/2023. समस्याएं हट जाएंगी तथा Job promotion भी होगी।

③ 12/05/2021 to 31/07/2021 :- बचाव समय (100%)
↳ माता की Health में गिरावट आ सकती है। सावधानी रखें, Hospital Bills भी बढ़ सकते हैं। खर्चा बढ़ेगा।
↳ {चन्द्र देव का दान अवश्य करें तथा पाठपूजन} Maximum Problems हट जाएंगी।

④ 30/06/22 to ~~[illegible]~~ 30/11/22 → बचाव → (शनि देव का पाठपूजन बतान करना है)

नोट:- ① शनिदेव के उपाय बतान 5 साल तक छोटमोटा करते हैं जैसे 250gm सरसों का तेल किसी गरीब को दें। (Mandatory).

② चन्द्र के दान व उपाय करने से माता की रक्षा होगी। उनकी Health ठीक रहेगी, इसलिए चन्द्र का दान व उपाय भी हमेशा के लिए कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

12. कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौ सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। **कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥**

Som.
11/04/20.

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग , नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन , वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

Comments:

10. रोग कम करने के लिए दान : (शनि देव, चन्द्र देव, शुक्र देव) इन ग्रहों का दान व पाठ करने से जीवन की maximum समस्याएं कम हो जाएंगी। तथा शरीर में रोग ना के बराबर होंगे।

काफी अच्छी कुंडली है। रत्न की सहायता लें। ग्रहों का बल कम है।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011245 Date: 11/04/2020

Abhishek Roy

25 Dec 1984 09:30 PM

Allahabad

Abhishek Roy

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011245 Date: 11/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **25/12/1984**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **21:30:00 ांटे**
इष्ट	: 36:49:08 घटी
स्थान	: **Allahabad**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
रेखांश	: 81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:27:20 घंटे
वेलान्तर	: -00:00:08 घंटे
साम्पातिक काल	: 03:44:44 घंटे
सूर्योदय	: 06:46:20 घंटे
सूर्यास्त	: 17:19:24 घंटे
दिनमान	: 10:33:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 10:25:02 धनु
लग्न के अंश	: 06:01:52 सिंह

चैत्रादि संवत / शक	: 2041 / 1906
मास	: पौष
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 3
तिथि समाप्ति काल	: 15:22:59
जन्म तिथि	: 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: श्रवण
नक्षत्र समाप्ति काल	: 28:51:31 घंटे
जन्म नक्षत्र	: श्रवण
सूर्योदय कालीन योग	: व्याघात
योग समाप्ति काल	: 10:14:43 घंटे
जन्म योग	: हर्षण
सूर्योदय कालीन करण	: गर
करण समाप्ति काल	: 15:22:59 घंटे
जन्म करण	: वणिज
भयात	: 43:49:07
भभोग	: 62:12:54
भोग्य दशा काल	: चंद्र 2 वर्ष 11 मा 4 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: सिंह – सूर्य
राशि–स्वामी	: **मकर – शनि**
नक्षत्र–चरण	: **श्रवण – 3**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: हर्षण
करण	: वणिज
गण	: देव
योनि	: वानर
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: खे–खेमचन्द
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ाात चक्र	
मास	: वैशाख
तिथि	: 4-9-14
दिन	: मंगलवार
नक्षत्र	: रोहिणी
योग	: वैधृति
करण	: शकुनि
प्रहर	: 4
वर्ग	: मूषक
लग्न	: कुम्भ
सूर्य	: कुम्भ
चन्द्र	: सिंह
मंगल	: मीन
बुध	: धनु
गुरु	: मेष
शुक्र	: वृष
शनि	: मकर
राहु	: मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	06:01:52	319:19:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	———
सूर्य			धनु	10:25:02	01:01:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	19:25:39	12:47:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	06:39:18	00:45:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	20:56:18	00:09:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	26:21:09	00:13:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	स्वराशि
शुक्र			मक	25:32:20	01:08:31	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	00:27:56	00:06:03	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	03:11:58	00:06:41	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	03:11:58	00:06:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	21:21:19	00:03:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	———
नेप			धनु	07:36:10	00:02:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	———
प्लूटो			तुला	10:34:24	00:01:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	———
दशम भाव			वृष	04:46:43	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:37

लग्न–चलित

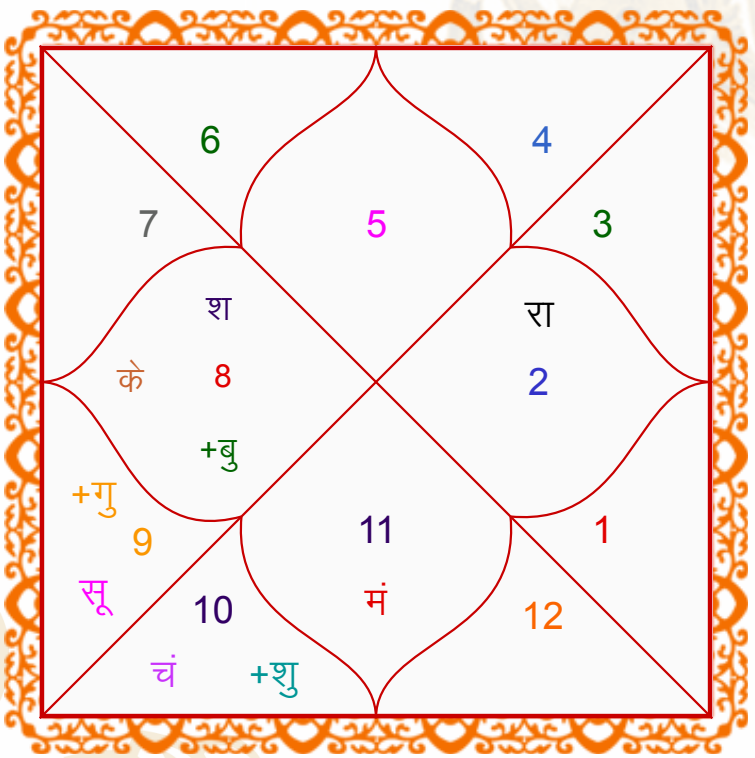

चन्द्र कुंडली

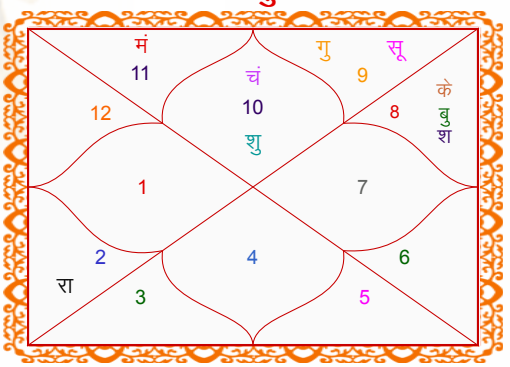

नवमांश कुंडली

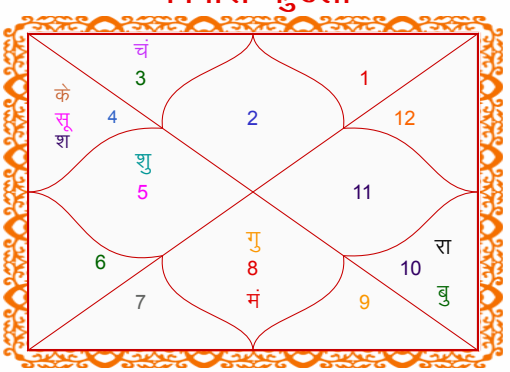

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	20	25	57	38	3	40	57
सप्तवर्गज बल	120	116	150	90	120	105	83
ओजयुग्मक बल	15	15	15	0	15	15	0
केन्द्र बल	30	15	60	60	30	15	60
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	15	0
कुल स्थान बल	185	172	297	188	168	190	199
कुल दिग्बल	12	35	31	25	13	33	28
नतोन्नत बल	13	47	47	60	13	13	47
पक्ष बल	47	94	47	47	13	13	47
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	0	52	15	59	2	10	54
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	60	253	214	166	103	66	149
कुल चेष्टाबल	0	0	23	41	7	33	15
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-1	-24	-20	-1	-4	-28	-4
कुल षट्बल	316	487	563	445	321	337	396
रूप षट्बल	5.3	8.1	9.4	7.4	5.3	5.6	6.6
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.1	1.4	1.9	1.1	0.8	1.0	1.3
संबंधित पद	5	2	1	4	7	6	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	5.22	18.20	36.54	39.62	4.41	36.29	29.36
कष्ट फल	48.35	40.28	10.28	20.28	55.15	23.38	12.49

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	316	445	337	563	321	396	396	321	563	337	445	487
भावदिग्बल	30	50	40	30	20	20	0	20	50	60	40	20
भावदृष्टि बल	26	48	-1	-3	-1	-9	21	45	41	53	38	71
कुल भाव बल	372	543	376	589	340	407	417	386	653	450	522	578
रूप भाव बल	6.2	9.0	6.3	9.8	5.7	6.8	6.9	6.4	10.9	7.5	8.7	9.6
संबंधित पद	11	4	10	2	12	8	7	9	1	6	5	3

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

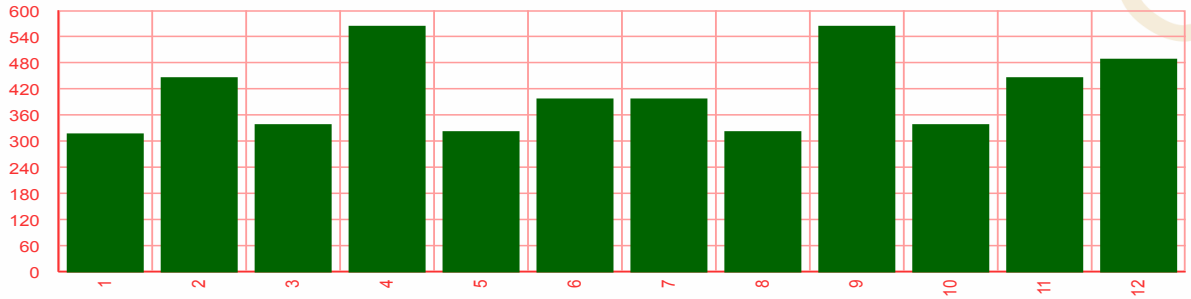

भावदिग्बल

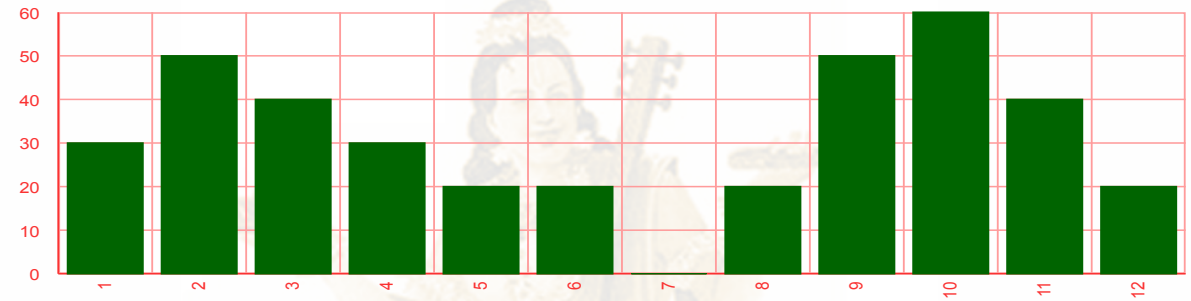

भावदृष्टि बल

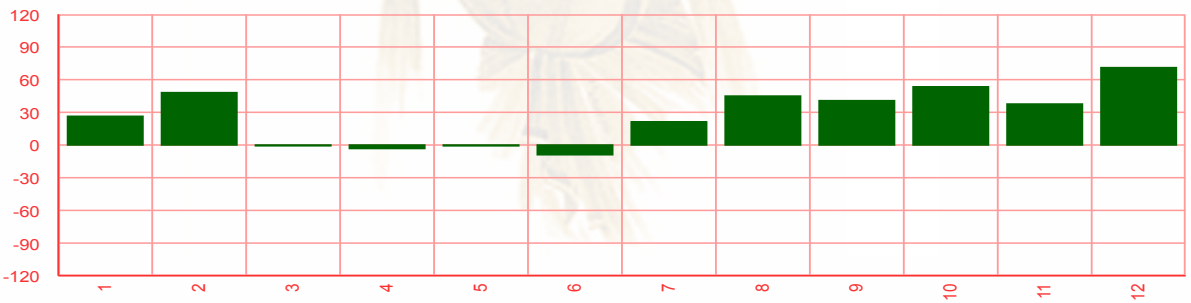

भाव बल

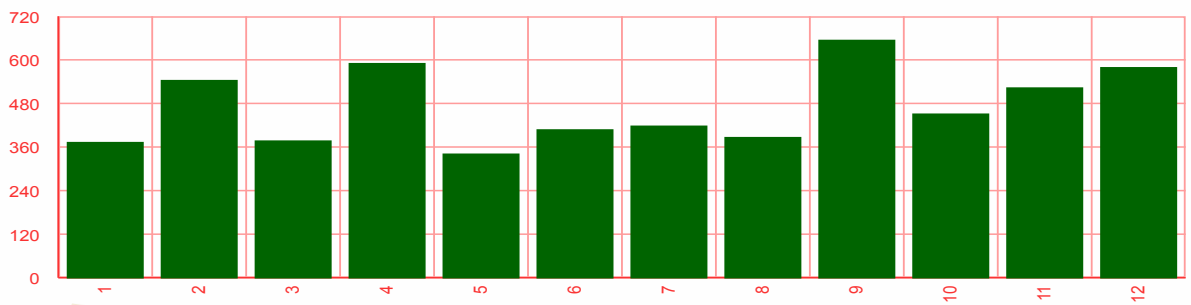

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 11 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष	
25/12/1984	
30/11/1987	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	25/12/1984
बुध	01/03/1985
केतु	30/09/1985
शुक्र	01/06/1987
सूर्य	30/11/1987

मंगल 7 वर्ष	
30/11/1987	
30/11/1994	
मंगल	28/04/1988
राहु	16/05/1989
गुरु	22/04/1990
शनि	01/06/1991
बुध	28/05/1992
केतु	24/10/1992
शुक्र	24/12/1993
सूर्य	01/05/1994
चंद्र	30/11/1994

राहु 18 वर्ष	
30/11/1994	
30/11/2012	
राहु	12/08/1997
गुरु	06/01/2000
शनि	12/11/2002
बुध	31/05/2005
केतु	19/06/2006
शुक्र	19/06/2009
सूर्य	13/05/2010
चंद्र	12/11/2011
मंगल	30/11/2012

गुरु 16 वर्ष	
30/11/2012	
30/11/2028	
गुरु	18/01/2015
शनि	31/07/2017
बुध	06/11/2019
केतु	12/10/2020
शुक्र	13/06/2023
सूर्य	31/03/2024
चंद्र	31/07/2025
मंगल	07/07/2026
राहु	30/11/2028

शनि 19 वर्ष	
30/11/2028	
30/11/2047	
शनि	03/12/2031
बुध	13/08/2034
केतु	21/09/2035
शुक्र	21/11/2038
सूर्य	03/11/2039
चंद्र	03/06/2041
मंगल	13/07/2042
राहु	19/05/2045
गुरु	30/11/2047

बुध 17 वर्ष	
30/11/2047	
30/11/2064	
बुध	28/04/2050
केतु	25/04/2051
शुक्र	23/02/2054
सूर्य	31/12/2054
चंद्र	31/05/2056
मंगल	28/05/2057
राहु	16/12/2059
गुरु	22/03/2062
शनि	30/11/2064

केतु 7 वर्ष	
30/11/2064	
30/11/2071	
केतु	28/04/2065
शुक्र	28/06/2066
सूर्य	03/11/2066
चंद्र	04/06/2067
मंगल	31/10/2067
राहु	17/11/2068
गुरु	24/10/2069
शनि	03/12/2070
बुध	30/11/2071

शुक्र 20 वर्ष	
30/11/2071	
30/11/2091	
शुक्र	01/04/2075
सूर्य	31/03/2076
चंद्र	30/11/2077
मंगल	30/01/2079
राहु	30/01/2082
गुरु	30/09/2084
शनि	30/11/2087
बुध	30/09/2090
केतु	30/11/2091

सूर्य 6 वर्ष	
30/11/2091	
30/11/2097	
सूर्य	19/03/2092
चंद्र	18/09/2092
मंगल	23/01/2093
राहु	18/12/2093
गुरु	06/10/2094
शनि	18/09/2095
बुध	25/07/2096
केतु	30/11/2096
शुक्र	30/11/2097

चंद्र 10 वर्ष	
30/11/2097	
00/00/0000	
चंद्र	30/09/2098
मंगल	01/05/2099
राहु	31/10/2100
गुरु	02/03/2102
शनि	02/10/2103
बुध	26/12/2104
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - केतु	
06/11/2019	
12/10/2020	
केतु	26/11/2019
शुक्र	22/01/2020
सूर्य	08/02/2020
चंद्र	07/03/2020
मंगल	27/03/2020
राहु	17/05/2020
गुरु	02/07/2020
शनि	25/08/2020
बुध	12/10/2020

गुरु - शुक्र	
12/10/2020	
13/06/2023	
शुक्र	23/03/2021
सूर्य	11/05/2021
चंद्र	31/07/2021
मंगल	26/09/2021
राहु	19/02/2022
गुरु	29/06/2022
शनि	30/11/2022
बुध	17/04/2023
केतु	13/06/2023

गुरु - सूर्य	
13/06/2023	
31/03/2024	
सूर्य	28/06/2023
चंद्र	22/07/2023
मंगल	08/08/2023
राहु	21/09/2023
गुरु	30/10/2023
शनि	15/12/2023
बुध	25/01/2024
केतु	11/02/2024
शुक्र	31/03/2024

गुरु - चंद्र	
31/03/2024	
31/07/2025	
चंद्र	11/05/2024
मंगल	08/06/2024
राहु	20/08/2024
गुरु	24/10/2024
शनि	09/01/2025
बुध	19/03/2025
केतु	17/04/2025
शुक्र	07/07/2025
सूर्य	31/07/2025

गुरु - मंगल	
31/07/2025	
07/07/2026	
मंगल	20/08/2025
राहु	10/10/2025
गुरु	25/11/2025
शनि	18/01/2026
बुध	07/03/2026
केतु	27/03/2026
शुक्र	23/05/2026
सूर्य	09/06/2026
चंद्र	07/07/2026

गुरु - राहु	
07/07/2026	
30/11/2028	
राहु	16/11/2026
गुरु	12/03/2027
शनि	29/07/2027
बुध	30/11/2027
केतु	21/01/2028
शुक्र	15/06/2028
सूर्य	28/07/2028
चंद्र	09/10/2028
मंगल	30/11/2028

शनि - शनि	
30/11/2028	
03/12/2031	
शनि	23/05/2029
बुध	25/10/2029
केतु	28/12/2029
शुक्र	29/06/2030
सूर्य	23/08/2030
चंद्र	23/11/2030
मंगल	26/01/2031
राहु	10/07/2031
गुरु	03/12/2031

शनि - बुध	
03/12/2031	
13/08/2034	
बुध	21/04/2032
केतु	17/06/2032
शुक्र	28/11/2032
सूर्य	16/01/2033
चंद्र	08/04/2033
मंगल	04/06/2033
राहु	30/10/2033
गुरु	10/03/2034
शनि	13/08/2034

शनि - केतु	
13/08/2034	
21/09/2035	
केतु	05/09/2034
शुक्र	12/11/2034
सूर्य	02/12/2034
चंद्र	05/01/2035
मंगल	28/01/2035
राहु	30/03/2035
गुरु	23/05/2035
शनि	26/07/2035
बुध	21/09/2035

शनि - शुक्र	
21/09/2035	
21/11/2038	
शुक्र	01/04/2036
सूर्य	29/05/2036
चंद्र	02/09/2036
मंगल	09/11/2036
राहु	01/05/2037
गुरु	03/10/2037
शनि	04/04/2038
बुध	15/09/2038
केतु	21/11/2038

शनि - सूर्य	
21/11/2038	
03/11/2039	
सूर्य	08/12/2038
चंद्र	06/01/2039
मंगल	27/01/2039
राहु	20/03/2039
गुरु	05/05/2039
शनि	29/06/2039
बुध	17/08/2039
केतु	06/09/2039
शुक्र	03/11/2039

शनि - चंद्र	
03/11/2039	
03/06/2041	
चंद्र	21/12/2039
मंगल	24/01/2040
राहु	20/04/2040
गुरु	06/07/2040
शनि	05/10/2040
बुध	26/12/2040
केतु	29/01/2041
शुक्र	05/05/2041
सूर्य	03/06/2041

शनि - मंगल	
03/06/2041	
13/07/2042	
मंगल	27/06/2041
राहु	27/08/2041
गुरु	20/10/2041
शनि	23/12/2041
बुध	18/02/2042
केतु	14/03/2042
शुक्र	20/05/2042
सूर्य	09/06/2042
चंद्र	13/07/2042

शनि - राहु	
13/07/2042	
19/05/2045	
राहु	16/12/2042
गुरु	04/05/2043
शनि	16/10/2043
बुध	11/03/2044
केतु	11/05/2044
शुक्र	01/11/2044
सूर्य	23/12/2044
चंद्र	19/03/2045
मंगल	19/05/2045

शनि - गुरु	
19/05/2045	
30/11/2047	
गुरु	19/09/2045
शनि	13/02/2046
बुध	24/06/2046
केतु	17/08/2046
शुक्र	18/01/2047
सूर्य	05/03/2047
चंद्र	22/05/2047
मंगल	15/07/2047
राहु	30/11/2047

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - बुध	
30/11/2047	
28/04/2050	
बुध	03/04/2048
केतु	24/05/2048
शुक्र	18/10/2048
सूर्य	01/12/2048
चंद्र	12/02/2049
मंगल	05/04/2049
राहु	14/08/2049
गुरु	10/12/2049
शनि	28/04/2050

बुध - केतु	
28/04/2050	
25/04/2051	
केतु	19/05/2050
शुक्र	19/07/2050
सूर्य	06/08/2050
चंद्र	05/09/2050
मंगल	26/09/2050
राहु	19/11/2050
गुरु	07/01/2051
शनि	05/03/2051
बुध	25/04/2051

बुध - शुक्र	
25/04/2051	
23/02/2054	
शुक्र	15/10/2051
सूर्य	05/12/2051
चंद्र	01/03/2052
मंगल	30/04/2052
राहु	02/10/2052
गुरु	17/02/2053
शनि	31/07/2053
बुध	25/12/2053
केतु	23/02/2054

बुध - सूर्य	
23/02/2054	
31/12/2054	
सूर्य	11/03/2054
चंद्र	05/04/2054
मंगल	24/04/2054
राहु	09/06/2054
गुरु	21/07/2054
शनि	08/09/2054
बुध	22/10/2054
केतु	09/11/2054
शुक्र	31/12/2054

बुध - चंद्र	
31/12/2054	
31/05/2056	
चंद्र	12/02/2055
मंगल	14/03/2055
राहु	30/05/2055
गुरु	07/08/2055
शनि	28/10/2055
बुध	10/01/2056
केतु	09/02/2056
शुक्र	05/05/2056
सूर्य	31/05/2056

बुध - मंगल	
31/05/2056	
28/05/2057	
मंगल	21/06/2056
राहु	14/08/2056
गुरु	02/10/2056
शनि	28/11/2056
बुध	18/01/2057
केतु	09/02/2057
शुक्र	10/04/2057
सूर्य	28/04/2057
चंद्र	28/05/2057

बुध - राहु	
28/05/2057	
16/12/2059	
राहु	15/10/2057
गुरु	16/02/2058
शनि	14/07/2058
बुध	23/11/2058
केतु	16/01/2059
शुक्र	20/06/2059
सूर्य	06/08/2059
चंद्र	22/10/2059
मंगल	16/12/2059

बुध - गुरु	
16/12/2059	
22/03/2062	
गुरु	04/04/2060
शनि	13/08/2060
बुध	08/12/2060
केतु	26/01/2061
शुक्र	13/06/2061
सूर्य	24/07/2061
चंद्र	01/10/2061
मंगल	18/11/2061
राहु	22/03/2062

बुध - शनि	
22/03/2062	
30/11/2064	
शनि	25/08/2062
बुध	11/01/2063
केतु	10/03/2063
शुक्र	21/08/2063
सूर्य	09/10/2063
चंद्र	30/12/2063
मंगल	25/02/2064
राहु	22/07/2064
गुरु	30/11/2064

केतु - केतु	
30/11/2064	
28/04/2065	
केतु	08/12/2064
शुक्र	02/01/2065
सूर्य	10/01/2065
चंद्र	22/01/2065
मंगल	31/01/2065
राहु	22/02/2065
गुरु	14/03/2065
शनि	07/04/2065
बुध	28/04/2065

केतु - शुक्र	
28/04/2065	
28/06/2066	
शुक्र	08/07/2065
सूर्य	29/07/2065
चंद्र	03/09/2065
मंगल	27/09/2065
राहु	30/11/2065
गुरु	26/01/2066
शनि	04/04/2066
बुध	03/06/2066
केतु	28/06/2066

केतु - सूर्य	
28/06/2066	
03/11/2066	
सूर्य	04/07/2066
चंद्र	15/07/2066
मंगल	22/07/2066
राहु	11/08/2066
गुरु	28/08/2066
शनि	17/09/2066
बुध	05/10/2066
केतु	12/10/2066
शुक्र	03/11/2066

केतु - चंद्र	
03/11/2066	
04/06/2067	
चंद्र	20/11/2066
मंगल	03/12/2066
राहु	04/01/2067
गुरु	01/02/2067
शनि	07/03/2067
बुध	06/04/2067
केतु	19/04/2067
शुक्र	24/05/2067
सूर्य	04/06/2067

केतु - मंगल	
04/06/2067	
31/10/2067	
मंगल	12/06/2067
राहु	05/07/2067
गुरु	25/07/2067
शनि	17/08/2067
बुध	07/09/2067
केतु	16/09/2067
शुक्र	11/10/2067
सूर्य	19/10/2067
चंद्र	31/10/2067

केतु - राहु	
31/10/2067	
17/11/2068	
राहु	27/12/2067
गुरु	17/02/2068
शनि	17/04/2068
बुध	11/06/2068
केतु	03/07/2068
शुक्र	05/09/2068
सूर्य	24/09/2068
चंद्र	26/10/2068
मंगल	17/11/2068